Send ×
28/09/2020

B.A (Hons) Part III
Philosophy - Paper VII
Topic - Meaning and Types of Sentence.

Dr. Sachidanand Prasad.
Dept. of Philosophy.
R.R.S. College, Mokama.

वाक्य भाषा की सबसे छोटी सार्थक इकाई माना जाता है क्योंकि व्यक्ति अपने विचारों की अभिव्यक्ति वाक्य में ही करता है। वाक्य में पदों का एक निश्चित क्रम होता है। यह सार्थक शब्दों का सुव्यवस्थित समूह होता है जिसमे अपेक्षित अर्थ प्रकट होता है। वाक्य शब्दों अथवा वाक्यांशों से मिलकर बनता है। उदाहरण के लिए
राम — मोहन तुम क्या कर रहे हो।
मोहन — पढ़ाई।

इस उदाहरण में राम के वाक्य में तो अनेक शब्द है लेकिन मोहन द्वारा दिये गये जवाब में मात्र एक शब्द है जो सम्पूर्ण वाक्य का कार्य कर रहा है। हम जब भी वाक्य का प्रयोग करते हैं तो उसमे दो अथवा दो से अधिक प्रत्ययों के बीच संबंध स्थापित करते हैं, जिसे विभावना कहते हैं और जब विभावना को भाषायी प्रतीकों के द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है तो वह वाक्य कहलाता है। विचारों की अभिव्यक्ति के आधार पर वाक्य दो प्रकार के होते हैं।

(I) व्याकरण के वाक्य :- इन वाक्यों मे व्याकरण के नियमों का पालन किया जाता है।

(II) तर्कवाक्य — तर्क के नियमों के आधार पर विचारों को भाषा मे अभिव्यक्त करने को

तर्कवाक्य कहते हैं। व्याकरण के वाक्य के दो अंग होते हैं – उद्देश्य और विधेय। वाक्य के अन्तर्गत, जिसके संबंध में जो बताया जाता है उसे उद्देश्य कहते हैं। वाक्य के उद्देश्य के संबंध में जो कुछ भी कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं। उद्देश्य और विधेय के मध्य आकांक्षात्मक संबंध स्थापित करके वाक्य की रचना की जाती है।

तर्कवाक्य :- दो पदों के परस्पर संबंध के कथन को तर्कवाक्य कहते हैं। तर्कवाक्य उन्हीं वाक्यों को कहा जा सकता है जिसमें निम्नलिखित तीन पद हों। (1) उद्देश्य (2) विधेय (3) संयोजक।

(1) उद्देश्य – वह पद जिसके संबंध में स्वीकृति या अस्वीकृति के रूप कुछ कहा जाता है, उद्देश्य कहलाता है।

(2) विधेय :- वह पद जिसका उद्देश्य के संबंध में कथन किया जाता है, विधेय कहलाता है।

(3) संयोजक :- उद्देश्य एवं विधेय के मध्य स्वीकृत अथवा अस्वीकृत संबंध बताने वाले पद को संयोजक कहते हैं। तर्कशास्त्रियों के अनुसार तर्कवाक्य में संयोजक का हमेशा होना क्रिया के वर्तमान काल में ही प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए अरस्तु एक महान राजनीतिज्ञ था, तर्कशास्त्र के अनुसार यह वाक्य इस तरह से लिखा जायेगा – अरस्तु एक व्यक्ति है, जो महान राजनीतिज्ञ था।